निक लागे भोला तोर दुवारी मोला

निक लागे भोला तोर दुवारी मोला ॥
॥ भर के एक लोटा जल..भर के एक लोटा जल ॥
मैं रोज चगाव तोला तोला तोला... निक लागे भोला

1 सावन महीना हे मन भावन, दिन सोमवार हे बड पावन हो..
तोला भाय बडभुत भावन,कावर धर के चले भगत मन हो..
°°°दिही भोला तोला फल ॥ भर दिही खाली झोला झोला झोला..
कोरस.....निक लागे भोला

2 बेल पान तोला सब चघाये, बिखर फुड़हर फूल हा भाय हो
काचा दूध मा तोला नावहाये नारियर धरके तोला मनाय हो
°°°शिव ल जपले तै पल पल ॥ तर जाहि तोर चोला चोला चोला..
कोरस... निक लागे भोला

3 भोला सब बर भोला भाला,जेखर महिमा सबले निराला हो
रूप दिखे तोर हे बिकाराला,भक्तन मन बर खुदे शिवाला हो
°°°इंदु के मन हे चंचल ॥ बम-बम कइथे तोला तोला तोला
कोरस... निक लागे भोला

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33615/title/Nik-lage-bhola-tor-duwari-mola

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |